हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

31 जुलाई तक कराएं खरीफ फसलों का बीमा, किसानों से अपील

मण्डला। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026-27 की अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने किसानों से समय रहते अपनी फसलों का बीमा कराने की अपील की है, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया ने बताया कि योजना के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलें बोने वाले सभी ऋणी एवं अऋणी किसान फसल बीमा कराने के पात्र हैं। किसानों को बीमित राशि का केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा, जबकि शेष प्रीमियम राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। अऋणी किसान अपनी फसलों का बीमा जिले की सहकारी समितियों, कॉमन सर्विस सेंटर, बैंकों, क्रॉप इंश्योरेंस ऐप, फसल बीमा पोर्टल एचउइलिएहवअएपद, एआईसी प्रतिनिधि, पीओएसपी बीमा एजेंट एवं उर्वरक विक्रय केंद्रों के माध्यम से 31 जुलाई तक करा सकते हैं। बीमा पंजीयन के लिए किसानों को भू-अधिकार पुस्तिका, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, बोवाई प्रमाण पत्र तथा मोबाइल नंबर प्रस्तुत करना होगा। कृषि विभाग ने बताया कि धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, उड़द, कोदो-कुटकी, अरहर एवं मूंग सहित अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा योजना में शामिल है। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने नजदीकी बैंक, कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा किसान हेल्पलाइन 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

गुरु-शिष्य परंपरा एवं पर्यावरण संरक्षण पर हुआ प्रेरक आयोजन

गुरु वंदन के साथ बाघ संरक्षण का संकल्प

*** पीएमश्री रानी अवंती बाई विद्यालय में भारतीय संस्कृति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के पीएमश्री शासकीय रानी अवंतीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा एवं पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रभावशाली प्रस्तावना प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम में छात्राओं ने गुरु की महिमा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा देने वाले सच्चे मार्गदर्शक हैं तथा भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके संस्कारपूर्ण एवं ओजस्वी उद्बोधनों ने उपस्थित सभी को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विद्यालय प्राचार्य जय लक्ष्मी सोनी रहीं, जबकि संचालन एवं संयोजन सीमा तिवारी ने किया। सीमा तिवारी ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन मूल्यों, संस्कारों और चरित्र निर्माण की आधारशिला रखते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन एवं कृतज्ञता बनाए रखने का आह्वान किया।

विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति की आत्मा गुरु-शिष्य परंपरा में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को अपनाकर आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर बाघ संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष संकल्प दिलाया गया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को वन्यजीवों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा बाघों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और सक्रिय सहभागिता निभाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

श्री गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा भक्ति से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

मंडला। स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में सिंधी समाज द्वारा गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत मंगलवार को श्री जपजी साहिब के अखंड पाठ का शुभारंभ हुआ। बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अखंड पाठ का भोग लगाया गया। इसके बाद भजन-कीर्तन, आरती, पूजा, पल्लव अरदास एवं अमृतवाणी का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाकर माथा टेका और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक वातावरण में बड़ी संख्या में संगत ने सहभागिता कर गुरु महिमा का गुणगान किया। आयोजन के समापन पर लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत, श्री गुरुद्वारा सेवा समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

बम्हनीबंजर में धूमधाम से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

बम्हनीबंजर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शिष्य अपने गुरु का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु ने अपने प्रवचन में शिष्यों को सत्य, सेवा, सदाचार और मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें गुरु द्वारा सभी शिष्यों एवं श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन में सहभागिता निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा तथा गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

एक हेक्टेयर में समन्वित कृषि का अनूठा मॉडलः आत्म निर्भरता की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सीमित संसाधनों और कम भूमि के बावजूद यदि नवाचार तथा शासकीय योजनाओं का सही समन्वय किया जाए, तो कृषि को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है। इसे सच कर दिखाया है मंडला जिले के बीजाडांडी विकासखंड अंतर्गत ग्राम मगरधा के प्रगतिशील किसान श्री सुखलाल उईके ने। मात्र 1.20 हेक्टेयर भूमि के मालिक श्री सुखलाल ने समन्वित कृषि मॉडल को अपनाकर क्षेत्र के किसानों के समक्ष आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है।

शासकीय योजनाओं से मिला संबल

कृषि विभाग की खेत तालाब योजना के अंतर्गत तालाब निर्माण कराकर उन्होंने मत्स्य पालन प्रारंभ किया, जिससे उन्हें विगत वर्ष 10,000 की अतिरिक्त आय हुई। वहीं, आत्मा योजना के तहत मिले प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण के बाद उन्होंने मशरूम उत्पादन शुरू कर अपनी आय को नए आयाम दिए।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सतत तकनीकी मार्गदर्शन में वे निरंतर नई तकनीकों को अपना रहे हैं। वर्तमान में रेशम पालन से उन्हें प्रतिवर्ष 35,000 से 40,000 तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही वे आम, अमरूद और नींबू के फल उद्यान के साथ-साथ टमाटर, बैंगन एवं औषधीय फसल अश्वगंधा की खेती कर रहे हैं।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से हुए सम्मानित

कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों एवं लगन को देखते हुए सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना द्वारा श्री सुखलाल उईके को सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सुखलाल स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अन्य कृषकों को भी रेशम पालन का प्रशिक्षण देकर प्रेरित कर रहे हैं। श्री सुखलाल कहते है कि यदि किसान पारंपरिक फसल चक्र से बाहर निकलकर समन्वित कृषि अपनाएं और विभागीय योजनाओं का लाभ लें, तो कम रकबे में भी बेहतर मुनाफा कमाया जा सकता है।

शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों के परिश्रम से जिले को मिली पहचान-मंत्री श्रीमती उइके

*** गुरुपूर्णिमा पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय प्राचार्यों का सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके की उपस्थिति में गुरुपूर्णिमा पखवाड़े के समापन अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा-2026 में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मान जिला योजना भवन में आयोजित समारोह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों का पठन सामग्री भेंट कर स्वागत किया गया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए गए हैं। सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त करना जिले की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सफलता जिले का नाम प्रदेशभर में रोशन कर रही है। उन्होंने सभी विद्यालयों से मेरिट सूची में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्थान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट संकल्प की विशेष रूप से सराहना की गई। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस पहल की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है तथा इससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कार्यक्रम में कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में प्रतिभा होती है, आवश्यकता उसे सही दिशा और अवसर देने की है। उन्होंने शिक्षकों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यालय प्रदेश की मेरिट सूची में शामिल होने का प्रयास करें।

ऐसे मिला शत-प्रतिशत परिणाम

सफल प्राचार्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराने, सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाने तथा शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए। इसी प्रकार इस वर्ष भी विद्यार्थियों को कुशल शिक्षा के साथ-साथ प्रदेश की मेरिट सूची का टारगेट करने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा।

जिले के 12 वूशु खिलाड़ियों का संभागीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला स्तरीय शालेय वूशु प्रतियोगिता का सफल आयोजन वूशु कोच पूर्णिमा रजक के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आधार पर चयनित खिलाड़ी आगामी 5 अगस्त को सिवनी में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय वूशु प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं

प्रखर बर्मन (45 किग्रा), संकेत ज्योतिषी (48 किग्रा), अनस अल्वी (52 किग्रा), हर्ष बनवाला (56 किग्रा), अनुज रजक (60 किग्रा), श्रेयांश चौरसिया (48 किग्रा), आर्या शुक्ला (45 किग्रा), गरिमा (48 किग्रा), आशी रजक (52 किग्रा), लवलीन (56 किग्रा), हेतल (70 किग्रा) एवं शिवी श्रीवास्तव (45 किग्रा)। प्रतियोगिता का संचालन वूशु कोच पूर्णिमा रजक द्वारा किया गया। इस अवसर पर वेल वेदर स्कूल की पीटीआई दीपा रघुवंशी भी उपस्थित रहीं। जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े एवं जिला खेल अधिकारी कन्दीलाल मरकाम ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए संभागीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

सुझाव रेलवे संघर्ष समिति ने फोर्ट स्टेशन को विकसित करने की उठाई मांग।

मंडला फोर्ट बन सकता है मध्य भारत का प्रमुख जंक्शन

*** आगे जुड़ाव होगा छत्तीसगढ़ से तो निश्चित विकसित होगा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

रेलवे संघर्ष समिति, मंडला ने कहा है कि मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन में भविष्य में इटारसी जंक्शन की तरह एक महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन बनने की पूरी क्षमता है। यदि जिले की जनता, समाजसेवी, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं रेलवे मंत्रालय समन्वित प्रयास करें, तो मंडला जिले के विकास को नई दिशा और गति मिल सकती है। समिति के अनुसार माननीय शिरोमणि लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, देवी जी राज्यमंत्री श्रीमती संपतिया उइके तथा जिला प्रशासन यदि इस दिशा में गंभीर पहल करें, तो मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन का व्यापक विकास संभव हो सकेगा।

रेलवे संघर्ष समिति ने मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन के समग्र विकास के लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, आधुनिक यात्री सुविधाओं, यार्ड, पिट लाइन, वाशिंग लाइन तथा अन्य रेल अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता बताई है। साथ ही नए रेलमार्गों की स्वीकृति और निर्माण को भी अत्यंत आवश्यक बताया गया है।

समिति ने दो महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने की मांग की है

गौरेला-पेंड्रा-अमरकंटक-डिंडोरी-मंडला-घंसौर-गोटेगांव-नरसिंहपुर रेलमार्ग। बिलासपुर-पंडरिया-मवई-घुटास-बिछिया-मंडला-नारायणगंज-बीजाडांडी-उदयपुर-बरेला-जबलपुर रेलमार्ग। समिति का मानना है कि इन दोनों रेल परियोजनाओं के साकार होने से मंडला जिला मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क केंद्र बन सकता है। इससे पर्यटन, व्यापार, उद्योग, कृषि, शिक्षा तथा रोजगार के क्षेत्र में व्यापक विकास होगा और जिले का समग्र कायाकल्प संभव हो सकेगा।

रेलवे संघर्ष समिति, मंडला ने जिले के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से इस जनहितकारी पहल में सहयोग करने का आग्रह किया है, ताकि मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन को एक भव्य एवं आधुनिक जंक्शन के रूप में विकसित किया जा सके।

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

*** ड्राइवरों की सुरक्षा, बीमा और प्रशिक्षण केंद्र की मुख्य मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में ड्राइवर गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग की।

ज्ञापन एवं रैली का नेतृत्व करते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष श्रीचंद यादव ने बताया कि कठिन परिस्थितियों और अभावों में रहकर कार्य करने के बावजूद ड्राइवरों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार दुर्घटना स्थल पर आम लोगों के साथ-साथ पुलिस और यातायात विभाग द्वारा भी परेशान किया जाता है। उन्होंने इन समस्याओं के स्थाई समाधान के साथ-साथ अन्य मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की।

प्रमुख मांगें

शिकायत निवारण केंद्रः ड्राइवरों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला स्तर पर सहायता एवं शिकायत निवारण केंद्र बनाया जाए।

दुर्घटना सहायता : दुर्घटना की स्थिति में ड्राइवरों को तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

प्रशिक्षण केंद्र : बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं कौशल विकास केंद्र खोला जाए।

बीमा : प्रत्येक ड्राइवर का लायसेंस बनवाने के साथ-साथ दुर्घटना बीमा अनिवार्य रूप से किया जाए।

समन्वय समिति : प्रशासन और ड्राइवर संघ की संयुक्त समन्वय समिति बनाकर समय-समय पर समस्याओं का निराकरण किया जाए।

श्री यादव ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रशासन हमारी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेगा, जिससे ड्राइवर समाज को सम्मान और सुरक्षा प्राप्त हो सकेगी।

इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष यादव की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष श्रीचंद यादव, सोहन गायगवाल, जबलपुर से अंकुर राजपूत, छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष जीतू चंद्रवंशी, यूसुफ खान, सिवनी से प्रदेश उपाध्यक्ष माखन ठाकुर, केवल पटेल, मनीष कुशवाहा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ड्राइवर उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पत्थर मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बरांझ निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस की बात है जब प्रार्थी नगर के पुराना बस स्टेण्ड के पास अपने भाई धर्मेन्द्र के साथ मोटर साईकिल से जा रहे थे। उसी दौरान साहिल गुनेले एवं राजीव गुनेले अपनी मोटर साईकिल से आये और प्रार्थी की मोटर साईकिल में कट मारकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो दोनों ने मिलकर प्रार्थी सहित उसके भाई के साथ पत्थर से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खेत की बटिया लेने की बात पर पिता पुत्र ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खैरूआ निवासी मोहन पिता बालचंद्र यादव द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि गांव के लक्ष्मण उर्फ भूरा मेहरा और मैने मिलकर गांव के उमंग पटैल के खेत की बटिया ली है। बीते हुये दिवस की बात है जब प्रार्थी रामजानकी मंदिर के पास से निकल कर खेत तभी वहां लक्ष्मण उर्फ भूरा मेहरा तथा उसका लडका शिवम मेहरा मिले और प्रार्थी से बोले की तू उमंग पटैल के खेत की बटियारी छोड दे मै अकेला ही उनकी बटिया लूंगा प्रार्थी ने जब बटिया छोड़ने से मना किया तो पिता पुत्र द्वारा एक राय होकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बाइक की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस आजाद वार्ड निवासी खेत सिंह पिता स्व. मौजीलाल विश्वकर्मा उम्र 61 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने किसी काम से उकास घाट गया हुआ था। वापिस लौटते समय जमाडा बारहा रोड पर एक मोटर साईकिल क्रमांक MP49ME0321 का चालक अपनी बाइक को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये लाया और प्रार्थी की मोटर साईकिल में टक्कर मार दी गई जिसके चलते प्रार्थी को चोटे अपने पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कलयुगी पुत्र ने माँ सहित बहिन से की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम पतलोन निवासी एक महिला द्वारा अपने ही लड़के के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा लडका चिंटू केवट जो शराब पीने का आदि है और काम कुछ नही करता है। इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस माँ द्वारा उससे कहा कि तू घर पर बैठा रहता है कुछ काम नही करता है। इसी बात को लेकर आरोपी पुत्र द्वारा अपनी माँ को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई। वही जब बीच बचाव करने के लिये बहिन आई तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई।

गुरू पूर्णिमा पर मंदिरों में आयोजित हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम, दादा की धूनी में सैकड़ों लोगों ने नारियल अर्पित करते हुये लिया आशीर्वाद

आस्था की गागर में बही धर्म की गंगा

दिन भर चलता रहा भगवान सहित अपने गुरूओं का वंदन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सद्गुरू अपने चिंतन, ज्ञान, विचारों से मनुष्यों को संस्कारित कर उन्हे ऊँचा उठाते है। वही लोग अपने गुरूओं के दिए ज्ञान के बल पर उनके भक्त सुखमय जीवन व्यतीत करते हुए समाज देश की सेवा करते हैं। इसलिए कहा जाता है कि ग्ररूब्रर्म्हा गुरूर्विष्णुः गुरूदेवा महेश्वरः, गुरूः साक्षात् परब्रम्हा तस्मै श्री गुरवे नमः..। क्योंकि गुरू हमेशा वंदनीय, पूज्यनीय है और उनका आर्शीवाद लेने की देश में प्रशस्त परम्परा आदि काल से चली आ रही हैं। इसी के चलते कल बुधवार को गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर सहित क्षेत्र के गॉवों में गुरू महिमा की लहर दौड़ते हुये दिखाई पड़ी तो वही दूसरी ओर लोगों ने अपने गुरू को याद कर उनकी पूजन, वंदना की गई तथा गुरूओं की बंदना के स्वरों से क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। वही गुरू पूर्णिमा के अवसर पर घरों में शहरवासियों ने श्रद्धा भाव से अपने गुरूओं का पूजन करते हुये आर्शीवाद लिया। वही शहर के मंदिरों में भी गुरू पूर्णिमा पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसे बड़ा ही सौभग्य कहा जा सकता है कि काफी लम्बे अंतराल के बाद गुरू पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार के दिन पड़ा है। जिसके चलते जहां तहां गुरूओं का वंदन होते हुये देखा गया। क्योंकि गुरू पूर्णिमा व गुरूओं के पूजन के बीच सृष्टि के प्रथम पूज्य गणेश जी के प्रिय दिवस बुधवार का दिन विशेष महत्वकारी साबित होने से नही चूका है। वही दूसरी ओर भगवान विष्णुजी के प्रिय दिवस बुधवार को गुरूपूर्णिमा के चलते भक्तों से लेकर शिष्यों ने अपने गुरूओं का पूजन बंदन करते हुये आर्शीवाद लेते हुये खाली स्थान को भरने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। गुरू पूर्णिमा पर्व के एक दिन पूर्व दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा नगर में ढोल ढमाको व शहनाईयों के साथ भगवान शिव के अवतार माने जाने वाले दादा धूनी वालों की शोभा यात्रा पालकी निकाली गयी थी, जिसने समूचे सांईखेड़ा को गुरू भक्ति के रस से ओत प्रोत कर दिया था तो दूसरी ओर कल बुधवार यानि की गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर दादा धूनी वालों की समूची नगरी सांईखेड़ा दादा धूनी वाले मय हो गया था और सांईखेड़ा में दादा धूनी वालों के भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था, जिसको लेकर बताया जाता है कि इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों द्वारा नगर में होने वाले इस आयोजन की व्यवस्थाएं बनाने के लिए मौजूद रहते हुए अपनी निगरानी रखी गई। गुरू पूर्णिमा के चलते क्षेत्र ही नही बल्कि दूर दूर से पधारे हुए दादा धूनी वालों के भक्तों ने दादा धाम पहुंचकर उनके दर्शन व पूजन अर्चन किया गया। गुरू पूर्णिमा के मौके पर दादा धूनी वालो के दरबार में और दादा जी के नए मंदिर में हजारो भक्तो ने पहुंच दादा जी की पूजा, अर्चना कर उन्हे भाजी, टिक्कड़ का भोग अर्पित किया। वही बताया जाता है कि दादा धाम में सदा जलने वाली धूनी की एक झलक देखने के लिये भक्त आतुर दिखाई पड़े जिसके चलते दादा जी की धूनी में हजारों लोगों ने नारियल अर्पित करते हुये आर्शीवाद ग्रहण किया। वही नगर के अनेक धार्मिक मंडलों व दादा भक्तों द्वारा भी विशाल शोभायात्रा निकालते हुए दादा धाम पहुंचकर पूजन अर्चन किया गया तो दूसरी ओर देखा गया कि दादा दरबार में जहां प्रसादी के रूप में दिन भर टिक्कड व भाजी का वितरण होता रहा। वही दूसरी ओर अन्य लोगों द्वारा अनेक प्रकार की प्रसादी भी बांटी गई तथा अन्य भक्तों द्वारा दादा मंदिर में दिन भर भंडारे का आयोजन किया जिसकी प्रसादी हजारों लोगों ने ग्रहण की गई। वही भक्तों द्वारा अनेक प्रकार की प्रसादी का विरतण किया गया। इस तरह लम्बे अंतराल के उपरांत बुधवार के दिन पड़ी हुई गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर दादा के दर्शन करने वाले लोगों के लिए प्रशासन द्वारा सराहनीय व्यवास्थाएं बनाई गई जिसके चलते लोगों ने लाईनों में लगकर दादा धूनी वालों के दर्शन किये। इस प्रकार से गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देखा जाता है कि दादा के भक्त दूर दूर क्षेत्रों से पैदल चलते हुए प्रतिवर्ष दादा धाम पहुंचते है। इसी प्रकार से इस वर्ष भी देखा गया कि दूर दूर से आये हुए दादा भक्तों का एक दिन पहले से ही आगमन होना शुरू हो गया था, जिसके चलते नगर के लोगों द्वारा बाहर से आने वाले भक्तों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर गुरू पूर्णिमाा के अवसर पर दादा धाम में उमड़ने वाले जन सैलाब की व्यवस्थाएं बनाने के लिए सांईखेड़ा सहित आस पास के थानों का भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जिसके चलते किसी भी व्यक्ति को दादा के दर्शन करने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नही करना पड़ा। इसी दौरान देखा गया कि अखंड रूप से जलने वाली दादाजी की धूनी ने अचानक इस प्रकार से मनमोहक रूप धारण कर लिया गया था जिसके लोगों से दर्शन करते हुये अपने आपको धन्य समझा और दादा जी का आर्शीवाद क्षेत्रवासियों पर सदा रहने की बात कही जा रही है? प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी दादाधाम में भक्तों की भीड़ सुबह से ही उमड़ना शुरू हो गया था जो दोपहर तीन बजे तक लगातार भीड़ देखने मिली तो गुरू पूर्णिमा के चलते क्षेत्र के नर्मदा घाटों पर भी भक्तों की दिन भर भीड़ लगी हुई देखी गई जहां पर हजारों लोगों ने माँ नर्मदा के तट पर पहुंचकर पूजन अर्चन करते हुये माँ नर्मदा जी के निर्मल नीर में आस्थ की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन किया गया तो अनेक जगहों पर कन्या भोज व भंडारे के आयोजन होते हुये भी देखे गये। क्योंकि बीते हुये सुबह से लगातार हो रही बारिश के बीच दोपहर के समय बारिश पर ब्रेक लगा होने के चलते जहां मौसम खुशनुमा देखने मिला। इस सच्चाई को देखते हुये ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा था कि मानों इन्द्रदेव भी अपने गुरू की आराधना में लीन होकर अपने भक्तों को गुरूओं की आराधना करने का अवसर प्रदान करने के लिये बारिश पर ब्रेक लगा दिया गया है...।

शहर क्रियान, टीव्हीएन सहित अन्य स्कूलों को नगर पालिका ने दिया नोटिस

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह से नगर सहित क्षेत्र में निजी शिक्षण संस्थाओं की भरमार देखने मिल रही है। वही यह शिक्षण संस्थायें छात्र छात्राओं से मनमानी फीस बसूलने में पीछे भी नही है। मगर इन शिक्षण संस्थाओं द्वारा शासन की माप दंडो को जिस तरह से नजर अंदाज करते हुये बच्चों की जिन्दगी को खतरे में डाला जा रहा है इस ओर न तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों द्वारा जिसका परिणाम है कि इन निजी शिक्षण संस्थाओं के लगातार हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है..? नगर के तीन निजी शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई उजागर उस समय हुई जब नगर पालिका की टेक्स रूपी राशि इन शिक्षण संस्थाओं पर लाखों रूपया के रूप में बकाया होने के साथ साथ शिक्षण संस्थाओं द्वारा भवन निर्माण के अनुमति से लेकर अन्य माप दंडो को पूरा किये बगैर ही संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में स्थानीय नगर पालिका कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये टैक्स के रूप में राशि बकाया होने के लिये नगर पालिका द्वारा शहर के क्रियान, टीव्हीएन तथा दक्ष स्कूल के लिये नोटिस जारी किया गया है। बताया जाता है कि नगर पालिका द्वारा जारी किये गये नोटिस के अनुसार टैगोर विद्या निकेतन पर नगर पालिका का 19 लाख 42 हजार 742 रू., दक्ष स्कूल पर 11 लाख 82 हजार 740 रू. और क्रियान स्कूल पर 8 लाख 33 हजार 370 रू. कुल मिलाकर 39 लाख 58 हजार 852 रुपया की राशि बकाया होने बताया जा रहा है..? इस संबंध में नगर पालिका के अधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा पूर्व में भी नोटिस जारी किये गये है। मगर इन शिक्षण संस्थाओं द्वारा न तो राशि जमा की गई है और नही कोई संतुष्ट पूर्ण जबाब दिया जा रहा है। जिसके चलते नगर पालिका द्वारा अब इन स्कूलों को अंतिम नोटिस जारी करते हुये बताया है कि जल्द ही सक्षम अधिकारियों के माध्यम से कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि नगर के दो स्कूलों द्वारा तो नपा की अनुमति के बगैर जहां अपने भवनों का निर्माण किया गया है। वही दूसरी ओर एक स्कूल की जमीन का तो अभी तक डायवर्सन तक नही हुआ है जो शासन के रिकार्ड में कृषि के नाम पर दर्ज होने के बाद भी यहां पर शिक्षण संस्था का संचालन हो रहा है। वही दूसरी ओर सुरक्षा की दृष्टि से देखा जावे तो इन स्कूलों के पास अग्नि सुरक्षा (फायर एनओसी) का वैध प्रमाण पत्र तक नहीं है। साथ ही भवन निर्माण की आवश्यक अनुमति को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। मगर इसके बाद भी इन शिक्षण संस्थाओं का संचालन होते हुये देखा जा रहा है। शिक्षा और सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी स्कूल में फायर एनओसी, वैध भवन अनुमति और स्थानीय निकाय के नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता होती है। मगर इसके बाद भी नजर अंदाज किया जाना निश्चित तौर से शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करने से नही चूक रहा है...? इस सच्चाई को देखते हुये तो सबसे बड़ा सवाल यह पैदा हो रहा है कि यदि दस्तावेज पूरे नहीं हैं, तो संबंधित विभागों द्वारा अब कार्यवाही क्यों नही की गई.., क्या शिक्षा विभाग में बैठे हुये जिम्मेदार खुद ही मासूम बच्चों की जिन्दगी को दांव पर लगाते हुये किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे है...? क्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े नियम केवल कागजों तक सीमित होकर रह चुके है।

महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व पर वरिष्ठ शिक्षाविदों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व यानि की गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित गरिमामय समारोह में गुरु-शिष्य परंपरा का स्मरण करते हुए शिक्षा जगत से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविदों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जवाहर शुक्ल द्वारा अतिथियों के आत्मीय स्वागत के साथ हुआ। समारोह में सेवानिवृत्त व्याख्याता सी. बी. शर्मा, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती आरती पाठक, न्यू इरा पब्लिक स्कूल की चेयरमैन आशा शाह, नवोदय विद्यालय बोहानी के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार तिवारी, सेवानिवृत्त व्याख्याता अरविंद गुबरेले, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एन. पी. वर्मा तथा डॉ. दिलीप ग्वालिय का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जवाहर शुक्ल, कार्यक्रम प्रभारी डा. कमलेश डेहरिया एवं डा .सुनील शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। क्योकि गुरू की गरिमा भ्गवान से भी ऊंची बताई गई है..। महर्षि सांदीपनि के आदर्श आज भी समाज और शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं तथा गुरुजनों का सम्मान हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। इस मौके पर वक्ताओं ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि संस्कार, चरित्र और जीवन मूल्यों का भी निर्माण करते हैं। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. पंकज शर्मा ने किया। कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख राघवेन्द्र नाथ शर्मा, डॉ. शिवराज सिंह, डॉ. शिल्पी पटेल, प्रो. विवेक कुर्मी, डा. संदीप श्रीवास्तव, नीलेश शर्मा, आशीष रावत सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, कार्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी सम्मानित शिक्षाविदों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आज से शुरू हो रहे सावन माह के चलते शिवजी की आराधना में डूबेंगे भक्त

डमरू घाटी सहित शिव मंदिरों में उमडेगा भक्तों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस वर्ष सावन मास की शुरूआत जिस तरह भगवान विष्णुजी के प्रिय दिवस गुरूवार के दिन से होने के चलते निश्चित भक्तों को शिवजी की आराधना में लीन होने के लिये उत्साहित करने से नही चूक रहा है। क्योंकि सावन भादों माह वैसे भी धार्मिक आयोजनों के लिये प्रमुख माना जाता है और बडा ही लाभकारी बताया जा रहा है। क्योंकि आज से अब पूरे माह शिवजी व माता पार्वती जी अपने भक्तों के पास रहते हुये उन्हें आर्शीवाद प्रदान करेगे और वह अपने भक्तों के बीच रथ पर सबार होकर विराजमान हो जावेगे । आज से शुरू हो रहे श्रवण मास के चलते जहां शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ने की शुरूआत हो जावेगी।

मगर सावन मास से पहला ही दिन गुरूवार भगवान विष्णु जी का दिन होने के चलते भक्तों के लिये सुखमय संदेश लेकर आने से नही चूकेगा। इसी के चलते आज श्रवण मास के पहले दिवस व सावन मास का पहला गुरूवार होने के चलते शिवधाम डमरूघाटी सहित नगर के विजय कालोनी, सिंचाई विभाग, नर्मदा कालोनी, नगर पालिका के पास पुराने आर ई एस कार्यालय के पास बने हुये शिव मंदिर, नालंदा स्कूल के पीछे स्थित शिव मंदिर में शिवजी की आराधना करने वालों का सैलाव उमड़ने से नही चूकेगा। वही दूसरी ओर आज अनेक जगहों पर शिव के पूजन के कार्यक्रम भी आयोजित होगे। बताया जाता है कि इस बार सावन मास की शुरूआत भी गुरूवार के दिन से हो रहे तथा सावन मास का अंतिम दिवस शुक्रवार को पडेगा। शिवजी के प्रिय माने जाने वाले इस सावन माह भर जगह जगह शिव पुराण, भागवत कथा सहित अन्य प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई देखने मिलेगी तो दूसरी ओर शिव मंदिरों में लगातार पूजन के कार्यक्रम चलते हुये देखे जावेगे।

ओशो सन्यासियों ने आनंद के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर का नाम दुनिया में रोशन करने वाले विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं दार्शनिक ओशो की क्रीड़ा स्थली ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान शिविर स्वामी ध्यान आकाश के सानिध्य में आयोजित किया गया । इस दौरान गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ओशो सन्यासियों द्वारा आश्रम में विभिन्न ध्यान विधियों को आत्मसात किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रातः काल सुबह 6 से 7 तक सक्रिय ध्यान भजन कीर्तन के साथ दिन भर ध्यान की गतिविधियां चलती रही। वही शाम 4 बजे से 5 बजे तक तथा कुंडलनी शाम 6 से 8 बजे तक वाइट रोव, ब्रदर हुड सत्संग, ओशो प्रवचन के साथ भजन कीर्तन में मस्त होकर ओशो सन्यासियों ने आनंदमय गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। बताया जाता है कि इस अवसर पर नव सन्यासियों ने ओशो की दीक्षा ली तथा ओशो लीला आश्रम मे आयोजित शिविर में क्षेत्र के आलवा बाहर से आये हुये सन्यासियों ने भी शामिल होकर आर्शीवाद ग्रहण किया। इस संबंध में मीडिया प्रभारी द्वारा अपनी जानकारी में बताया कि गुरु पूर्णिमा पर दिनभर ओशो की ध्यान गतिविधियों सहित संध्याकाल व्हाइट रोप ब्रदरहुड सत्संग अपने सदगुरु ओशो की उपस्थिति के एहसास के साथ विशेष रूप से किया गया जिसका आनंद रसपान ओशो सन्यासियों द्वारा अहो भाव से लिया गया। वही ओशो लीला आश्रम के व्हाइट रोप ब्रदरहुड सत्संग के संदर्भ मे बताया सदगुरु ओशो ने अपने जीवंत अवस्था में अपने संन्यासियों को कहा था कि मेरे विदा हो जाने के बाद भी मैं संध्या काल के वाइट रोप ब्रदरहुड सत्संग के समय आप लोगों के मध्य मेरी उपस्थिति विशेष रूप से बनी रहेगी1 इसी क्रम के चलते गुरु पूर्णिमा उपलक्ष्य अवसर पर ओशो लीला आश्रम में संध्याकाल विशेष रूप से सत्संग भजन कीर्तन नृत्य आनंद ओशो प्रवचन माला श्रवण कर अपने सद्गुरु ओशो की उपस्थिति का एहसास कर स्मरण किया गया उक्त अवसर पर स्थानीय एवं बाहर से आए हुए ओशो सन्यासी बड़ी संख्या में आनंदित हुए एवं साक्षी बन सके।

विकासखंड स्तरीय शालेय योगासन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सोमवार को कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026–27 के अनुसार विकास खंड स्तरीय शालेय योगासन अंडर 14, 17 एवं 19 बालक बालिका योगासन प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय एक निजी स्कूल में आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के योगासनो का प्रदर्शन किया गया। वही विद्यार्थियों ने इस दौरान ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन,वीरभद्रासन, पद्मासन, वज्रासन,पश्चिमोत्तानासन, गोमुखासन,भुजंगासन धनुरासन, सर्वांगासन, हलासन, पवनमुक्तासन, शवासन आदि का बेहद शानदार प्रदर्शन किया। वही कार्यक्रम के अंत में बेहतर प्रदर्शन वाले छात्र छात्राओं का चयन जिला स्तर की प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे के निर्देशन में हुए इस आयोजन को संपन्न कराने में विकासखंड खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले, निजी स्कूल की दीपिका उपाध्याय, प्राचार्य डॉ वर्षा सीजू, पीटीआई अजय सोनी, मधुसूदन पटैल, शहजाद बेग, यूनिस हुसैन, रोहित कीर योगदान देखने मिला।

गुरू पूर्णिमा पर रेवा तटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सद्गुरूओं की वंदना, आराधना पर्व गुरू पूर्णिमा के अवसर पर बीते हुए बुधवार को गुरू पूर्णिमा को क्षेत्र के माँ नर्मदा के पावन तटों पर श्रद्वालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर माँ नर्मदा और भगवान के प्रति आस्था रखने वाले शहर और क्षेत्र के गांवों के श्रद्वालुओं ने अपने गुरूओं का स्मरण करते हुए माँ नर्मदा जी के निर्मल जल राशि में स्नान करने के बाद भगवान का भजन, पूजन किया करते हुये आर्शीवाद लिया गया। वही विद्वान पंडितों से भगवान सत्य नारायण की कथा सुनी तथा दाल बाटी खाने का आनंद लिया, जानकारी के अनुसार गुरू पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदा के तटों पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम एवं भंडारों का आयोजन दिन भर चलता रहा। वही नर्मदा भक्तों का इस तरह माता रानी के प्रति जुनून देखने मिला कि आसमान पर काले बादल चमकने के बाद भी शनिवार की रात से ही पैदल नर्मदा स्नान करने जाने वाले भक्तों के शहर की सड़को के बीच से जत्था निकलते हुये देखे गये। नर्मदाजी के प्रति भक्तों की आस्था को काले बादलों के बीच बिजली की चमक भी नही रोक पाई थी।

अमोलेश्वरधाम आश्रम में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महापर्व

हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन कर लिया आशीर्वाद, विशाल भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

शहपुरा। डिंडौरी एवं उमरिया जिले की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र अमोलेश्वरधाम (अमोलखोह) आश्रम में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महापर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं एवं शिष्यों ने अपने पूज्य गुरु श्री श्री 1008 भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।महापर्व का शुभारंभ महंत रतनगिरी महाराज द्वारा गुरु पूजन एवं आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात पूज्य भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज ने अपने प्रवचन में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धर्म, सेवा, सदाचार एवं मानव कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु का सान्निध्य और मार्गदर्शन व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करता है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ शामिल हुए। पूरे दिन आश्रम परिसर आध्यात्मिक वातावरण और भक्ति रस में सराबोर रहा।महापर्व के समापन पर कन्या-भोजन, संत-भोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में डिंडौरी, उमरिया सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों से आए संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति से अमोलेश्वरधाम आश्रम दिनभर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन कर लिया आशीर्वाद, विशाल भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

शहपुरा। डिंडौरी एवं उमरिया जिले की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र अमोलेश्वरधाम (अमोलखोह) आश्रम में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महापर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं एवं शिष्यों ने अपने पूज्य गुरु श्री श्री 1008 भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।महापर्व का शुभारंभ महंत रतनगिरी महाराज द्वारा गुरु पूजन एवं आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात पूज्य भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज ने अपने प्रवचन में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धर्म, सेवा, सदाचार एवं मानव कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु का सान्निध्य और मार्गदर्शन व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करता है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ शामिल हुए। पूरे दिन आश्रम परिसर आध्यात्मिक वातावरण और भक्ति रस में सराबोर रहा।महापर्व के समापन पर कन्या-भोजन, संत-भोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में डिंडौरी, उमरिया सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों से आए संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति से अमोलेश्वरधाम आश्रम दिनभर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

खबर संक्षेप

अपर कलेक्टर ने कृषि विभाग कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

डिंडौरी। अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने बुधवार को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी कृषि उपसंचालक अभिलाषा चौरसिया सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने कार्यालय की उपस्थिति पंजी, विभिन्न अभिलेखों एवं संधारित रजिस्टरों का अवलोकन कर उनके रखरखाव एवं अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा सभी अभिलेखों का नियमित संधारण एवं अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय-पालन, कार्यों में पारदर्शिता तथा शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जर्जर शासकीय आवासों में रहने को मजबूर कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में लगभग 40 से 45 वर्ष पूर्व निर्मित शासकीय आवास आज जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। रखरखाव के अभाव में कई आवास पूरी तरह खाली पड़े हैं, जबकि कुछ भवनों में कर्मचारी जोखिम के बीच रहने को विवश हैं।मुख्यालय परिसर में दो शासकीय आवास ऐसे हैं, जिनकी छत से लगातार पानी टपकने के कारण कर्मचारियों ने पूरे भवन को तिरपाल से ढंक रखा है। भवनों की स्थिति ऐसी हो गई है कि दूर से यह पहचानना भी मुश्किल है कि ये पक्के मकान हैं या अस्थायी झोपड़ीनुमा ढांचे। बारिश के दौरान छत से होने वाले रिसाव के कारण कर्मचारियों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जानकारों का कहना है कि वर्षों से पानी रिसने के कारण भवनों की छत में लगी लोहे की सरिया भी जंग खाकर कमजोर हो चुकी हो सकती है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद अब तक न तो इन भवनों की मरम्मत कराई गई है और न ही नए शासकीय आवासों का निर्माण कराया गया है। शासकीय आवासों के अभाव में अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन जिला मुख्यालय डिंडौरी अथवा अन्य स्थानों से आवागमन कर अपनी सेवाएं देने को मजबूर हैं। जबकि शासन के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मुख्यालय पर निवास करना आवश्यक है। अमरपुर में सुविधायुक्त किराये के मकान भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक बोझ के साथ समय की भी हानि उठानी पड़ रही है।अधिकारियों और कर्मचारियों का कहना है कि जर्जर भवन अब मरम्मत योग्य नहीं बचे हैं। ऐसे में कर्मचारियों की सुरक्षा और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के लिए शीघ्र नए शासकीय आवासों का निर्माण कराया जाना आवश्यक है।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में सांदीपनि गुरु पर्व पर गुरु पूर्णिमा समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांदीपनि गुरु पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं डॉ. स्वर्णिम पटेल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अमरलाल धुर्वे ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च होता है। गुरु केवल ज्ञान का ही नहीं, बल्कि जीवनभर मार्गदर्शन देने वाला प्रेरणास्रोत भी होता है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र जीवन व्यक्ति के भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण नींव है। इस अवधि का सदुपयोग कर विद्यार्थी रोजगार, व्यवसाय और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन करते हुए आशीष कुमार मरावी ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक का युग है। ऐसे में विद्यार्थियों को बदलते समय के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट करते हुए नई तकनीकों का ज्ञान अर्जित करना चाहिए, ताकि वे प्रतिस्पर्धा के इस दौर में पीछे न रहें।इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सीमा डावर, डॉ. निधि सिंह, डॉ. सुनील काकोड़िया, प्रदीप कुमार कहार, डॉ. अनिल कुशराम, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, समीर धुर्वे, ओमकार वाटिया, कमलेश वास्पे सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलेभर में नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों के शैक्षणिक संस्थानों, शासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नशामुक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।इसी क्रम में उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया में नशामुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों से जुड़े संदेशों और नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार और समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार और समाज की प्रगति में भी बाधक बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा और खेल को प्राथमिकता देने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

संदीपनि विद्यालय धनुवासागर में धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

डिंडौरी। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संदीपनि विद्यालय धनुवासागर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विद्यालय में 15 से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसका समापन गुरु पूर्णिमा महोत्सव के साथ हुआ।पखवाड़े के दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना से हुई। इसके बाद विद्यालय भ्रमण, नवाचार गतिविधियों का अवलोकन, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक वाचन, भजन, योगाभ्यास, स्वास्थ्य जागरूकता, करियर मार्गदर्शन, प्रेरक व्याख्यान, वृक्षारोपण, शिक्षक-अभिभावक बैठक, स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली तथा गुरु-शिष्य प्रेरणा संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।समापन समारोह में विद्यार्थियों ने अतिथियों एवं गुरुजनों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान गुरु वंदना, सांस्कृतिक नृत्य, गीत, भाषण एवं अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत सदस्य संतोष सिंह चंदेल रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व जनपद पंचायत सदस्य प्रमोद द्विवेदी, सेवानिवृत्त शिक्षक बी.एस. यादव, नरेंद्र यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं गत शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य जे.एस. मरकाम के मार्गदर्शन एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से संपन्न हुआ। समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु के प्रति श्रद्धा, भारतीय संस्कृति के आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को मिला प्रशस्ति पत्र गुरुपूर्णिमा पर शिक्षकों का सम्मान

डिंडोरी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी में बुधवार को गुरुपूर्णिमा पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा स्थायी समिति अध्यक्ष अंजू जितेंद्र ब्यौहार, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया तथा जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते ने महर्षि सांदीपनि एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन कर किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं शिक्षकों श्रीमती सी.बी. उरैती, सनमत जैन, आर.एस. मरावी एवं श्रीमती ए.बी. मंसूरी का माला एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में विधायक ओमकार मरकाम ने गुरुजनों का वंदन करते हुए कहा कि देश का समग्र विकास तभी संभव है, जब प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भी शासकीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस दौर में भी शिक्षक ही विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा देते हैं।कार्यक्रम के अंत में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में प्राचार्य उपासना चौबे, लतिका डैनियल, हंसा तेकाम, संगीता जैन, जितेंद्र दीक्षित, पुरुषोत्तम कुशराम, टेवा राम धुर्वे, त्रिवेणी मिश्रा, वेदवती सिन्द्राम, रौशनी आर्या, नीतू सिंह रघुवंशी, वीरेन्द्र उद्देशिया, संजीव जैन, रोहित बशेष, रीतेश मरावी, आनंद झारिया, लखन गौतम, पवन बर्मन, प्रवीण परस्ते, के.डी. मिश्रा, अरबाज खान, प्रेरणा शुक्ला, सोनिया सिंह, शिवानी सोनी सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे।कार्यक्रम में एसडीएम रामबाबू देवांगन, प्राचार्य बी.डी. सोनी, प्रभारी डीपीसी अमित गौलिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार धुर्वे, बीआरसी अरुण चौबे तथा बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के तहत विकासखंड स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण संपन्न

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड डिंडौरी में प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सामाजिक विकास गतिविधियों में सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में समितियों के पदाधिकारी, सदस्य एवं सीएम इंटर्न्स ने सहभागिता की।बैठक के दौरान समितियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही अगस्त माह में आयोजित होने वाले स्वैच्छिकता पर्व, हरियाली यात्रा, नवांकुर सखी कार्यक्रम, "एक पेड़ मां के नाम" वृक्षारोपण अभियान, तिरंगा यात्रा तथा सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के प्रवेश को बढ़ावा देने संबंधी गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार की गई।प्रशिक्षण के समापन पर एसआई तेजू सिंह राजपूत, एएसआई सुनील चेतराम, किरण निगम एवं शिवनिल नशा मुक्ति केंद्र के प्रतिनिधि देवराज कछवाहा ने सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान संभाग समन्वयक रवि प्रसाद बर्मन, जिला समन्वयक धर्मेंद्र सिंह चौहान, विकासखंड समन्वयक गणेश सिंह राजपूत सहित नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य एवं सीएम इंटर्न्स उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर हुए विविध आयोजन गुरुओं की हुई पूजा- अर्चना, लिया आशीर्वाद

धर्मगुरुओं द्वारा चातुर्मास व्रत अनुष्ठान प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सम्पूर्ण जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले के शैक्षणिक संस्थानों में गुरु पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमे शिष्यों द्वारा गुरुओं का पूजन अर्चन कर शुभाशीष लिया गया। शासन द्वारा गुरु व शिष्य परम्परा को बनाये रखने के लिये कार्यक्रम आयोजित कराये गये। वही गुरूपूर्णिमा पर धर्म गुरूओं द्वारा चतुर्मास व्रत अनुष्ठान प्रारंभ किया गया। झोंतेश्वर स्थित परमहंसी गंगा आश्रम मे महाराज श्री के शिष्य मंडल द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर भक्तो की काफी भीड़ रही हजारों की संख्या में पहुंचकर भक्तो द्वारा पादुका पूजन किया गया।

गुरू भक्ति पर दी प्रस्तुति

सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूर्णिमा ,व्यास पूजा के पावन अवसर पर आचार्य गण का सम्मान किया गया विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष निरंजन सिंह पटेल ,सदस्य मनीष कटारे, पंकज उमरे शिक्षक उत्कृष्ट विद्यालय की गरिमामय उपस्थिति में तिलक वंदन शाल श्रीफल से आचार्य परिवार का सम्मान किया गया सम्मान श्रृंखला में सर्वप्रथम संस्था प्राचार्य हरि ओम शरण कोरी प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर राजेंद्र पटेल व अन्य सभी आचार्यगण का सम्मान वरीयता क्रम में किया गया संगीत आचार्य राम शंकर पटेल द्वारा मंच संचालन करते हुए प्रस्तावना उद्बोधन व गुरु भक्ति पर आधारित गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर आचार्य परिवार को शुभकामनाएं देते हुए विद्या भारती की संस्कृति, संस्कारों से युक्त शिक्षा पद्धति की सराहना करते हुए आचार्य परिवार को इसकी महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

गुरूओं को हुआ सम्मान

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु पूजन से हुआ। तत्पश्चात गुरु की महिमा पर विचार आश्रम प्रभारी सतीश श्रीवास्तव एवं प्रभारी अश्वनी भार्गव ने व्यक्त किए एवं कार्यक्रम में पत्रकार नीलेश जाट ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महर्षि संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए यहां की शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया। प्राचार्य सुनील शर्मा एवं आचार्य राज पाठक का सम्मान किया गया। उक्त मौके पर सुभाष ठाकुर, बद्री पटेल, गंगाराम पटेल, संतोष पटेल, जीवन पुरी,राजा श्रीवास्तव के अलावा क्षेत्रीय नागरिक, शिक्षक एवं बटुक ब्रह्मचारी मौजूद थे।

मार्गदर्शन जीवन को देता है सही दिशा

जरजोला रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर के पुजारी आचार्य शास्त्री मुकेश पचौरी का पुष्पमाला, श्रीफल एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है। आयोजन के अंत में उपस्थित लोगों ने हनुमान जी के दर्शन-पूजन के साथ समाज में धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कलेक्टर, एसपी ने किया बरमान घाट का निरीक्षण

गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर बरमान घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि होमगार्ड की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ घाट पर तैनात रहे तथा वालंटियर्स को अलग एवं आसानी से पहचान में आने वाली यूनिफॉर्म में ड्यूटी पर लगाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता मिल सके। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि बरमान पुल एवं घाट क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही श्रद्धालुओं को नदी के गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड एवं सतत मुनादी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि नाव में सवार प्रत्येक व्यक्ति के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया जाए तथा बिना लाइफ जैकेट किसी भी नाव का संचालन न हो। सभी नाव संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि गुरु पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुगम दर्शन एवं स्नान की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

खबर संक्षेप

मकानों पर बुलडोजर चलाने का आरोप सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। तहसील करेली के नर्मदा नगर बरमान निवासियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि कतिपय लोगों पर बिना किसी पूर्व सूचना या प्रशासनिक आदेश के उनके मकानों को जेसीबी मशीन से क्षतिग्रस्त करने और पूरा मोहल्ला खाली कराने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कलेक्ट्रेट पहुँचे आवेदक चंदू नौरिया, घनश्याम नौरिया, गीताबाई और ममताबाई सहित स्थानीय लोगों ने बताया कि वे अपने पूर्वजों के समय से इस भूमि पर रहकर मजदूरी के जरिए जीवन-यापन कर रहे हैं। पीड़ितों के अनुसार विपक्षी पक्ष अपनी भूमि का हवाला देकर मकानों को नुकसान पहुँचा रहा है, जबकि पूर्व में हुई प्रशासनिक नाप-जोख में स्पष्ट हो चुका है कि उनके मकान उस सीमांकन भूमि से पूरी तरह अलग हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है और बरमान पुलिस चैकी में भी उनकी सुनवाई नहीं हुई। बेघर हुए पीड़ति परिवारों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जनप्रतिनिधियों से निष्पक्ष जांच कराने, शेष मकानों की सुरक्षा करने तथा क्षतिग्रस्त मकानों का उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

जिला अस्पताल में पहली बार हुई लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला चिकित्सालय में पहली बार लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी दूरबीन विधि से पित्ताशय की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चैधरी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने की। एनटीपीसी गाडरवारा के सीएसआर मद से उपलब्ध कराए गए अत्याधुनिक उपकरणों के उपयोग से यह सुविधा जिले में शुरू हुई है, जिससे अब मरीजों को ऐसे उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

डेंगू से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। वर्षा ऋतु में डेंगू संक्रमण की आशंका को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने नागरिकों से घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देने, सप्ताह में एक दिन ड्राई डे मनाने तथा बुखार या डेंगू जैसे लक्षण होने पर तुरंत स्वास्थ्य संस्थान में जांच कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में जांच और उपचार की व्यवस्था उपलब्ध है।

केंद्रीय जेल में बंदियों की हुई हेपेटाइटिस जांच

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर केंद्रीय जेल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर बंदियों की हेपेटाइटिस-बी एवं सी की जांच की गई। शिविर में टीबी जांच के लिए एक्स-रे भी किए गए तथा चिकित्सकों ने बंदियों को हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव और समय पर उपचार की जानकारी दी।

जिले में अब तक 333 मिमी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 29 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 333 मिमी अर्थात 13.11 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 29 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 13.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 34 मिमी, गाडरवारा में 8 मिमी, गोटेगांव में 10 मिमी, करेली में 14 मिमी और तेंदूखेड़ा में 2 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 372 मिमी, गाडरवारा में 370, गोटेगांव में 231 मिमी, करेली में 300 मिमी और तेंदूखेड़ा में 392 मिमी वर्षा आंकी गई है।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर डाँगीढाना ओवरब्रिज के पास मंगलवार रात एक अज्ञात वाहन ने मोपेड को टक्कर मार दी। इस हादसे में 39 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मुरली पौंडी निवासी लखन मेहरा उम्र 39 वर्ष

पिता भागचंद मेहरा, सहजपुरा स्थित गौशाला में कार्यरत थे। मंगलवार रात करीब 10:30 बजे वे गौशाला से अपने साथी को छोड़ने के बाद मोपेड से घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्टेशनगंज थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी। बुधवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया।

इंदिरा गर्ल्स स्कूल में नशा मुक्ति अभियान, छात्राओं को दिलाई जागरूकता की शपथ

गोटेगांव। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत बुधवार को स्थानीय इंदिरा गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सब इंस्पेक्टर विजय द्विवेदी एवं उनकी पुलिस टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ऋतु जैन, समस्त शिक्षकीय स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।कार्यक्रम के दौरान एसआई विजय द्विवेदी ने छात्राओं को नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं शारीरिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ऋतु जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ₹नशा एक ऐसी दीमक है, जो युवाओं की ऊर्जा और उनके सुनहरे भविष्य को खोखला कर रही है। बेटियां समाज की रीढ़ होती हैं और वे चाहें तो पूरे परिवार को सही दिशा दे सकती हैं। छात्राओं का दायित्व है कि वे अपने घर और मोहल्ले में जागरूकता की मशाल बनें। यदि परिवार का कोई सदस्य नशे की लत से ग्रस्त है, तो उसे डांटने के बजाय प्रेम, धैर्य और समझदारी से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें।₹कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्राओं को जीवन में कभी भी नशा न करने तथा दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। अंत में विद्यालय परिवार ने पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान की सराहना करते हुए उनके इस जनजागरण प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

एनएच-45 का ओवरब्रिज बना मजनुओं और शराबियों का अड्डा

छात्राओं महिलाओं का निकलना हो रहा मुश्किल

तेंदूखेड़ा । राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के बीच पुलिस थाने के सामने तरफ गुजरने वाले मार्ग पर राहगीरों को सुगमता से सड़क पार करने के लिए बनाये गये भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लोहे का पुल फुटओवर ब्रिज शराबियों और मनचलों का अड्डा बन गया है।इस ब्रिज पर कुछ युवा अपनी अपनी मोटरसाइकिल लेकर बैठ जाते हैं। स्कूल जाने वाली छात्राओं को लेकर छींटाकसी किया करते हैं।

प्रकाश व्यवस्था हुई गड़बड़- इस ब्रिज पर रात्रि के समय आवागमन की दृष्टि से लाइटिंग की समुचित व्यवस्था की गई थी जिसके तहत लगभग 60 ट्यूब लाइट्स लगाई गईं थीं। लेकिन यह उजियारा कुछ ही दिनों का मेहमान साबित हुआ।वर्तमान में ये सभी लाइट्स पूरी तरह से बंद रहती हैं। जिसके कारण यहां अंधेरा छाया रहता है। इस अंधेरे का फायदा असामाजिक तत्व और शराबी उठा रहे हैं। रात के वक्त शराबी ब्रिज के ऊपर अंधेरे में बैठकर बेखौफ होकर शराबखोरी करते हैं। इस स्थिति के कारण रात्रि में इस ब्रिज से गुजरने वाले राहगीरों विशेषकर महिलाओं को भारी जिल्लत और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। यही हाल एनएच के एक सर्विस रोड से दूसरे सर्विस रोड तक लगाए गए स्ट्रीट लाइट्स का भी है, जो पूरी तरह से बंद पड़े हैं। ऐसा नहीं है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के जिम्मेदार कर्मचारियों को इस बात की जानकारी नहीं है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिजली बिल बचाने का यह उनका बहुत ही नायाब तरीका है। लाइट्स पूरी तरह बंद रहती हैं और एनएचएआई के टोल फ्री नंबर पर भी कई कई बार शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। लेकिन इसके बावजूद महज शोभा के रूप में लगाई गई इन लाइट्स को चालू नहीं किया जा रहा है जिससे क्षेत्रीय जनता में रोष व्याप्त हो रहा है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत युवा कौशल प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झामर में व्यावसायिक शिक्षा योजना के तहत युवा कौशल प्रदर्शनी का गरिमामय आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर तथा प्लंबिंग ट्रेड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और तकनीकी समझ का शानदार प्रदर्शन करते हुए आकर्षक पोस्टर एवं कार्यशील प्रोजेक्ट तैयार किए। छात्रों ने उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों के समक्ष अपने-अपने ट्रेड से संबंधित कौशलों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने

विद्यार्थियों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने व स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने बताया कि किस प्रकार यह व्यावसायिक शिक्षा उन्हें भविष्य में रोजगारोन्मुखी बनाने और स्वावलंबी जीवन जीने में सहायक सिद्ध होगी। इस सफल आयोजन में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लावण्या नीलमंडी मिश्रा, शिक्षक यशवंत पटेल, लखन पटेल, निशिकांत निखरा, श्रीमती पूनम जाट, सुश्री अंजली रैकवार तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण दीपक रिछारिया एवं मनोज झारिया सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

श्रद्धापूर्वक मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व, निकाली गई साईं बाबा की भव्य शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा । गुरु के प्रति समर्पण पूजन का पवित्र पर्व गुरु पूर्णिमा तेंदूखेड़ा सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में मनाया गया ।इस मौके पर शिष्यों ने अपने अपने गुरुओं के यहां पहुंचकर उनका पूजन कर भेंट दी गई।

ग्राम देवरी राजमार्ग एवं छत्तरपुर शासकीय स्कूलों में बच्चों ने सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर तिलक लगाकर पूजन अर्चन किया और आर्शीवाद ग्रहण किया। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने अपने गुरु रावतपुरा सरकार के यहां पहुंचकर पूजन अर्चन किया। इस मौके पर तेंदूखेड़ा में साईं नाथ मंदिर मनकेडी वालों के कारखाने से श्री साईं बाबा की विशाल भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।

प्रात कालीन अनुष्ठान और हवन-पूजन

कार्यक्रम की शुरुआत बुधवार सुबह धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुई। प्रातः मंदिर परिसर में विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया गया जिसमें यजमानों और श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर विश्व कल्याण और नगर में सुख-समृद्धि की कामना की। मंत्रोच्चार और साईं भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

भव्य शोभायात्रा और मुख्य आकर्षण

दोपहर साईं नाथ मंदिर से विशाल शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। यात्रा के दौरान कई मनमोहक और विशेष आकर्षण जनाकर्षण के केंद्र बनें रहे। साईं बाबा की सुंदर सजी हुई पालकी यात्रा का मुख्य आकर्षण रही। विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां सजाई गई थीं। चलत विमान में श्री राधा-कृष्ण की सुंदर जीवंत झांकी और उनके नृत्य ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में पार्षद रुपम विश्वकर्मा उनके परिजनों सहयोगियों और समस्त नगरवासियों का विशेष योगदान रहा।

आर्यिका विज्ञानमति माताजी की वर्षायोग कलश स्थापना संपन्न, भक्ति-भाव से शुरू हुआ चातुर्मास

गोटेगांव। धर्मनगरी गोटेगांव में बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ पावन वर्षायोग (चातुर्मास) का भव्य शुभारंभ हुआ। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्यकल्प 108 श्री विवेक सागर जी महाराज के परोक्ष आशीर्वाद तथा अभिनव आचार्य 108 श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीष से आयोजित ऐतिहासिक मंगल कलश स्थापना महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।आचार्यश्रेष्ठ की परम प्रभावक सुयोग्य शिष्या, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ वंदनीय आर्यिका माँ श्री 105 विज्ञानमति माताजी के ससंघ सानिध्य में नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में मुख्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इस अवसर पर संघस्थ आर्यिका श्री 105 आदित्यमति माताजी, शरदमति माताजी, चरणमति माताजी, शरणमति माताजी, सुवीरमति माताजी एवं उदितमति माताजी भी उपस्थित रहीं।चातुर्मास के शुभारंभ पर गोटेगांव के संपूर्ण जैन समाज ने एकजुटता और अगाध श्रद्धा का परिचय दिया। समाज के सभी व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर महोत्सव में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं जिनवाणी अर्पण से हुआ। इसके बाद संगीत की मधुर स्वर लहरियों तथा ₹आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जय₹ और ₹आर्यिका विज्ञानमति माताजी की जय₹ के गगनभेदी जयघोषों के बीच सौभाग्यशाली परिवारों द्वारा मंगल कलश स्थापना की गई।प्रथम कलश स्थापना का सौभाग्य सिंघई ऋषि-निशि परिवार को प्राप्त हुआ। द्वितीय कलश अनुपम साड़ी सेंटर, तृतीय कलश सोनू जैन (ललितपुर), चतुर्थ कलश कमल स्टोर्स, पंचम कलश अजमेर (राजस्थान) से आए जैन परिवार तथा षष्ठम कलश विक्की एवं विशाल बड़कुर परिवार के साथ चौधरी राजेश, विभाष एवं मोहित जैन सहित अन्य श्रावकों द्वारा स्थापित किया गया।